

## Strict Liability (कठोर उत्तरदायित्व)

**परिभाषा (Definition):** Strict Liability (कठोर उत्तरदायित्व) एक कानूनी सिद्धांत है जिसके तहत यदि कोई व्यक्ति किसी खतरनाक वस्तु को अपने नियंत्रण में रखता है और वह वस्तु दूसरों को नुकसान पहुंचाती है, तो उसे हर्जाना देना होगा, भले ही उसने लापरवाही (negligence) न की हो।

**महत्वपूर्ण विशेषताएँ (Key Features):**

**1. लापरवाही का सबूत आवश्यक नहीं (No Need to Prove Negligence):**

उत्तरदायी व्यक्ति को नुकसान के लिए उत्तरदायी ठहराया जाएगा, भले ही उसने पर्याप्त सावधानी बरती हो।

**2. खतरनाक चीजें (Dangerous Things):**

खतरनाक वस्तुओं का नियंत्रण रखने वाला व्यक्ति विशेष सावधानी बरतने का उत्तरदायी होता है।

**3. अप्राकृतिक उपयोग (Non-Natural Use of Land):**

यदि भूमि का उपयोग असामान्य या अप्राकृतिक तरीके से किया गया हो और इससे नुकसान हो, तो strict liability लागू होती है।

### खतरनाक चीजें, पलायन, और भूमि का अप्राकृतिक उपयोग (Dangerous Things, Escape, and Non-Natural Use of Land)

**1. खतरनाक चीजें (Dangerous Things):**

ऐसी वस्तुएं जो स्वभाव से ही खतरनाक होती हैं, जैसे:

- विस्फोटक सामग्री।
- जहरीली गैस।
- पानी के बड़े जलाशय।

**2. पलायन (Escape):**

यदि खतरनाक चीज किसी व्यक्ति की जमीन से निकलकर दूसरों की संपत्ति या शरीर को नुकसान पहुंचाती है, तो strict liability लागू होती है।

- **उदाहरण:** यदि जलाशय से पानी लीक होकर पड़ोसी की जमीन को बर्बाद कर देता है।

**3. भूमि का अप्राकृतिक उपयोग (Non-Natural Use of Land):**

भूमि का ऐसा उपयोग जो सामान्य रूप से न किया जाए, जैसे:

- बड़े पैमाने पर पानी जमा करना।
- रासायनिक पदार्थों का भंडारण।

### The Rule in Rylands v. Fletcher (1868)

**मामले का सार (Case Summary):**

● **पृष्ठभूमि:**

इस मामले में, *Rylands* ने एक जलाशय बनवाया। निर्माण के दौरान पानी रिसने लगा और पास की खदान (*Fletcher*) को नुकसान पहुंचा।

● **न्यायालय का निर्णय:**

*Rylands* को उत्तरदायी ठहराया गया, भले ही उसने जानबूझकर कोई गलती न की हो।

**नियम (Rule):**

यदि कोई व्यक्ति अपनी भूमि पर किसी खतरनाक चीज का अप्राकृतिक उपयोग करता है और वह चीज दूसरों को नुकसान पहुंचाती है, तो उसे उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

## Strict Liability के लिए आवश्यक तत्व (Essentials of Strict Liability)

- खतरनाक वस्तु (Dangerous Thing):**  
वस्तु ऐसी होनी चाहिए जो स्वभाव से खतरनाक हो।
- पलायन (Escape):**  
खतरनाक वस्तु उत्तरदायी व्यक्ति की भूमि से बाहर निकलकर नुकसान पहुंचाए।
- अप्राकृतिक उपयोग (Non-Natural Use):**  
भूमि का ऐसा उपयोग जो सामान्य परिस्थितियों में अपेक्षित न हो।

## Strict Liability के अपवाद (Defences to the Rule)

- पीड़ित की सहमति (Consent of the Plaintiff):**  
यदि पीड़ित ने खतरनाक चीज़ के जोखिम को अपनी मर्जी से स्वीकार किया हो।
  - उदाहरण:** यदि कोई व्यक्ति खतरनाक फैक्ट्री के पास रहने के लिए सहमत हो।
- अप्राकृतिक कारण (Act of God):**  
यदि नुकसान प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़, भूकंप, या तूफान के कारण हुआ हो।
- तीसरे पक्ष का कार्य (Act of Third Party):**  
यदि नुकसान किसी तीसरे व्यक्ति की गलती से हुआ हो, जो उत्तरदायी व्यक्ति के नियंत्रण में न हो।
- पीड़ित की गलती (Plaintiff's Own Fault):**  
यदि नुकसान स्वयं पीड़ित की गलती से हुआ हो।
  - उदाहरण:** यदि पीड़ित जानबूझकर खतरनाक वस्तु के संपर्क में आया हो।
- वैधानिक प्राधिकरण (Statutory Authority):**  
यदि कार्य सरकार या किसी कानूनी प्राधिकरण के निर्देश पर किया गया हो।
  - उदाहरण:** रेलवे ट्रैक के लिए विस्फोटक का उपयोग।

## Strict Liability का महत्व (Importance of Strict Liability)

- सावधानी को बढ़ावा:**  
लोग खतरनाक चीज़ों का उपयोग करते समय अधिक सावधानी बरतते हैं।
- न्याय का सिद्धांत:**  
जिसने नुकसान किया है, उसे मुआवजा देना चाहिए।
- पीड़ित को संरक्षण:**  
यह कानून पीड़ित के हितों की रक्षा करता है, खासकर जब नुकसान अप्रत्याशित हो।

## Strict Liability और Absolute Liability में अंतर

पैरामीटर	Strict Liability	Absolute Liability
दायित्व	कुछ अपवाद स्वीकार्य हैं।	कोई अपवाद स्वीकार्य नहीं है।
शर्तें	खतरनाक चीज़, पलायन, अप्राकृतिक उपयोग आवश्यक।	केवल खतरनाक चीज़ का उपयोग पर्याप्त है।

मामला	Rylands v. Fletcher I	M.C. Mehta v. Union of India (Bhopal Gas) I
-------	-----------------------	---

## M.C. Mehta v. Union of India (1987): Absolute Liability Principle

### मामले की पृष्ठभूमि (Background of the Case)

- स्थान: दिल्ली, भारत।
- संभवित कारण:

श्रमिकों और जनता के जीवन को खतरे में डालने वाली एक उद्योगिक गतिविधि।

इस मामले में, श्री M.C. Mehta ने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया, जिसमें श्रीराम फूड एंड फर्टिलाइज़र इंडस्ट्रीज़ से गैस रिसाव के कारण हुई दुर्घटनाओं और नुकसान के लिए उत्तरदायित्व तय करने की माँग की गई थी।

### मामले का मुख्य मुद्दा (Key Issues)

- सार्वजनिक सुरक्षा का उल्लंघन (Violation of Public Safety):**  
उद्योग द्वारा की गई गतिविधियाँ सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा थीं।
- उत्तरदायित्व का दायरा (Scope of Liability):**  
क्या उद्योग केवल "Strict Liability" के सिद्धांत के तहत जिम्मेदार होगा या इसे "Absolute Liability" के तहत उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए?

### सुप्रीम कोर्ट का निर्णय (Judgment by Supreme Court)

- Absolute Liability का सिद्धांत (Principle of Absolute Liability):**  
सुप्रीम कोर्ट ने "Strict Liability" के पुराने सिद्धांत को बदलते हुए **Absolute Liability** का नया सिद्धांत लागू किया।
  - सिद्धांत का मुख्य आधार:**  
यदि कोई उद्योग खतरनाक और खतरनाक गतिविधियों में लिप्त है, तो वह बिना किसी अपवाद के हुए नुकसान के लिए पूरी तरह उत्तरदायी होगा।
  - कोई अपवाद नहीं:**  
Act of God, तृतीय पक्ष की गलती (Act of Third Party), या पीड़ित की सहमति जैसे बचाव (defences) स्वीकार्य नहीं होंगे।
- मुआवजा (Compensation):**  
पीड़ितों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए ताकि उनके जीवन में स्थिरता वापस लाई जा सके।
- सार्वजनिक सुरक्षा (Public Welfare):**  
कोर्ट ने कहा कि खतरनाक गतिविधियों में लिप्त उद्योगों को उच्चतम स्तर की सावधानी और सुरक्षा उपाय अपनाने होंगे।

### Absolute Liability के सिद्धांत की मुख्य विशेषताएँ

- बिना अपवाद के उत्तरदायित्व (No Exceptions):**  
उत्तरदायित्व के लिए "Act of God," "Plaintiff's Fault," और "Third Party's Act" जैसे किसी भी बचाव का दावा नहीं किया जा सकता।
- खतरनाक उद्योगों का उत्तरदायित्व (Liability of Hazardous Industries):**  
खतरनाक गतिविधियों में शामिल किसी भी कंपनी को हुए नुकसान के लिए उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

### 3. पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय (Environmental Protection and Social Justice):

यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय के प्रति भारत के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

## Bhopal Gas Tragedy (1984): Absolute Liability का व्यावहारिक उपयोग

### मामले की पृष्ठभूमि (Background of the Case)

- **स्थान:** भोपाल, मध्य प्रदेश।
- **दिनांक:** 2-3 दिसंबर 1984।
- **घटना:**  
यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (Union Carbide India Limited) के संयंत्र से 40 टन जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट (MIC) गैस का रिसाव हुआ।
- **पीड़ितों की संख्या:**
  - 3,000 से अधिक लोगों की तत्काल मौत।
  - लाखों लोग प्रभावित हुए, जिनमें स्थायी विकलांगता, कैंसर, और अन्य बीमारियाँ शामिल हैं।

### घटना के प्रमुख बिंदु (Key Issues in Bhopal Gas Tragedy)

1. **कंपनी की लापरवाही (Negligence of the Company):**
  - सुरक्षा उपायों की कमी।
  - रिसाव को रोकने के लिए आवश्यक उपकरणों की अनुपस्थिति।
2. **प्रभावित लोगों का बड़ा पैमाना (Large-Scale Impact):**  
घटना के कारण लोगों की मृत्यु, विकलांगता और आजीविका का नुकसान।

### भोपाल गैस त्रासदी के लिए उत्तरदायित्व (Liability in Bhopal Gas Tragedy)

1. **Absolute Liability का सिद्धांत लागू हुआ:**  
भोपाल गैस त्रासदी ने दिखाया कि पुराने "Strict Liability" के नियम पर्याप्त नहीं थे। इस त्रासदी के बाद **Absolute Liability** को अपनाया गया।
2. **कंपनी की पूर्ण जिम्मेदारी:**
  - यूनियन कार्बाइड को घटना के लिए पूरी तरह उत्तरदायी ठहराया गया।
  - कोई भी बचाव (defence) स्वीकार्य नहीं था।

### भोपाल गैस त्रासदी और M.C. Mehta केस के प्रभाव (Impact of Bhopal Gas Tragedy and M.C. Mehta Case)

1. **पर्यावरण कानूनों में सुधार (Reformation in Environmental Laws):**
  - पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 लागू हुआ।
2. **Absolute Liability का सिद्धांत:**  
खतरनाक उद्योगों को सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने का बाध्य बनाया गया।
3. **सार्वजनिक सुरक्षा का महत्व (Public Safety Emphasized):**  
उद्योगों को सुरक्षा उपायों का पालन करने की सख्त आवश्यकता है।

## निष्कर्ष (Conclusion)

M.C. Mehta बनाम Union of India और भोपाल गैस त्रासदी दोनों मामलों ने भारत में **Absolute Liability** का सिद्धांत स्थापित किया। यह सिद्धांत सामाजिक और पर्यावरणीय न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक क्रांतिकारी कदम है। यह खतरनाक उद्योगों को अधिक उत्तरदायी बनाता है और पीड़ितों को न्याय दिलाने में सहायक होता है।

## Rylands v. Fletcher के बचाव (Defences)

### परिचय (Introduction)

*Rylands v. Fletcher* (1868) का निर्णय "Strict Liability" के सिद्धांत की स्थापना करता है। इसके तहत यदि कोई खतरनाक वस्तु अप्राकृतिक उपयोग के कारण किसी की संपत्ति या व्यक्ति को नुकसान पहुंचाती है, तो उत्तरदायी व्यक्ति को मुआवजा देना पड़ता है। हालांकि, इस सिद्धांत में कुछ **बचाव (Defences)** भी उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से उत्तरदायी व्यक्ति खुद को दायित्व से मुक्त कर सकता है।

## Rylands v. Fletcher के तहत बचाव (Defences under Rylands v. Fletcher)

### 1. पीड़ित की सहमति (Consent of the Plaintiff)

यदि नुकसान पीड़ित की सहमति या मर्जी से हुआ हो, तो उत्तरदायी व्यक्ति को दायित्व से मुक्त किया जा सकता है।

#### ○ उदाहरण:

यदि पीड़ित खुद खतरनाक गतिविधियों के जोखिम को स्वीकार करता है और जानबूझकर उसमें शामिल होता है।

### 2. अप्राकृतिक घटना (Act of God)

यदि नुकसान प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़, भूकंप, तूफान आदि के कारण हुआ हो, जिसे कोई भी व्यक्ति रोक नहीं सकता था, तो यह बचाव स्वीकार्य होगा।

#### ○ उदाहरण:

यदि जलाशय की दीवारें भारी बारिश (जो अप्रत्याशित हो) के कारण टूट गईं और नुकसान हुआ।

### 3. तीसरे पक्ष का कार्य (Act of Third Party)

यदि नुकसान किसी तीसरे व्यक्ति के कार्य के कारण हुआ हो, जो उत्तरदायी व्यक्ति के नियंत्रण में नहीं था, तो यह एक बचाव होगा।

#### ○ उदाहरण:

किसी अजनबी ने जानबूझकर जलाशय को तोड़ दिया, जिससे पानी रिसने लगा और नुकसान हुआ।

### 4. पीड़ित की गलती (Plaintiff's Own Fault)

यदि नुकसान पीड़ित की अपनी गलती के कारण हुआ हो, तो उत्तरदायी व्यक्ति को हर्जाना नहीं देना होगा।

#### ○ उदाहरण:

यदि पीड़ित ने खुद जलाशय में छेड़छाड़ की और इससे रिसाव हुआ।

### 5. वैधानिक प्राधिकरण (Statutory Authority)

यदि कार्य सरकार या किसी वैधानिक प्राधिकरण द्वारा किया गया हो और नुकसान हुआ हो, तो उत्तरदायित्व लागू नहीं होगा।

#### ○ उदाहरण:

यदि सरकार ने जलाशय बनाने का आदेश दिया था और किसी तकनीकी कारण से नुकसान हुआ।

## 6. अप्राकृतिक उपयोग का अभाव (No Non-Natural Use of Land)

यदि यह साबित हो जाए कि भूमि का उपयोग स्वाभाविक और सामान्य था, तो उत्तरदायित्व लागू नहीं होगा।

### ○ उदाहरण:

यदि जलाशय छोटा था और उसका उपयोग घरेलू उद्देश्यों के लिए किया गया था।

## Rylands v. Fletcher के महत्वपूर्ण उदाहरण (Illustrations of Defences)

### 1. Nichols v. Marsland (1876)

#### ● मामला:

जलाशय भारी बारिश के कारण टूट गया और आसपास के क्षेत्रों को नुकसान हुआ।

#### ● निर्णय:

यह "Act of God" का मामला था, इसलिए उत्तरदायी व्यक्ति मुक्त कर दिया गया।

### 2. Box v. Jubb (1879)

#### ● मामला:

तीसरे व्यक्ति ने अपने जलाशय का पानी निकालकर दूसरे के जलाशय को भर दिया, जिससे पानी रिसने लगा और नुकसान हुआ।

#### ● निर्णय:

यह "Act of Third Party" था, इसलिए उत्तरदायित्व लागू नहीं हुआ।

### 3. Ponting v. Noakes (1894)

#### ● मामला:

एक घोड़ा दूसरे की जमीन पर घुसकर जहरीले पौधे खा गया और मर गया।

#### ● निर्णय:

यह "Plaintiff's Own Fault" था, इसलिए उत्तरदायित्व नहीं लगाया गया।

## निष्कर्ष (Conclusion)

*Rylands v. Fletcher* ने "Strict Liability" का सिद्धांत स्थापित किया, लेकिन इसके तहत उत्तरदायित्व से बचने के लिए कुछ बचाव भी उपलब्ध हैं। ये बचाव न्याय को संतुलित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी निर्दोष व्यक्ति पर अनुचित दायित्व न डाला जाए।

## निष्कर्ष (Conclusion)

Strict liability का नियम सामाजिक सुरक्षा और न्याय के लिए महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि जिन लोगों ने खतरनाक चीजों का उपयोग किया है, वे किसी भी नुकसान के लिए जिम्मेदार हों। *Rylands v. Fletcher* का निर्णय इस सिद्धांत का आधार बनाता है और इसे आधुनिक कानून का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाता है।